-:प्रेस नोट:-

दिनांक- 23.09.2025

कार्यालय पुलिस अधीक्षक बांदा

❖ **अंतर्राष्ट्रीय सांकेतिक भाषा दिवस के अवसर पर पुलिस लाइन में पुलिसकर्मियों के लिए सांकेतिक भाषा प्रशिक्षण कार्यशाला का किया गया आयोजन। कार्यशाला में पुलिस की कार्यप्रणाली में DEAF से होने वाले कम्युनिकेशन गैप को समाप्त कर पुलिस को उसके अनुरूप बनाने का किया गया प्रयास।**

विवरण- आज दिनांक 23.09.2025 को अंतर्राष्ट्रीय सांकेतिक भाषा दिवस के अवसर पर पुलिस लाइन में अपर पुलिस अधीक्षक बांदा श्री शिवराज की अध्यक्षता में "अखिल उत्तर प्रदेश बधिर संस्था" (AUPAD) के सहयोग से विशेष प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला का उद्देश्य पुलिसकर्मियों को सांकेतिक भाषा का प्रशिक्षण देकर श्रवणबाधित (DEAF) व्यक्तियों के साथ संवाद में आने वाली बाधाओं को दूर करना और पुलिस की कार्यप्रणाली को अधिक समावेशी एवं प्रभावी बनाना है। कार्यशाला के दौरान विशेषज्ञ प्रशिक्षकों द्वारा पुलिसकर्मियों को सांकेतिक भाषा की बुनियादी जानकारी दी गई तथा व्यावहारिक अभ्यास भी कराया गया। प्रशिक्षण का मुख्य लक्ष्य यह सुनिश्चित करना था कि पुलिसकर्मी श्रवणबाधित नागरिकों की समस्याओं और शिकायतों को सहज रूप से समझ सकें और उन्हें आवश्यकतानुसार शीघ्र एवं उचित सहयोग प्रदान कर सकें। इस अवसर पर अपर पुलिस अधीक्षक श्री शिवराज ने कहा कि समाज के हर वर्ग तक न्याय और सुरक्षा सेवाएं पहुंचाना पुलिस का दायित्व है। ऐसे प्रयास पुलिस और नागरिकों के बीच विश्वास की मजबूत कड़ी साबित होंगे तथा आशा व्यक्त की कि इस कार्यशाला से प्राप्त ज्ञान न केवल पुलिस की कार्यशैली में सकारात्मक परिवर्तन लाएगा बल्कि पुलिस को ऐसे नागरिकों के प्रति संवेदनशील भी बनाएगा। कार्यशाला में AUPAD के क्षेत्रीय उपाध्यक्ष श्री अदनान खान द्वारा दिए गए सहयोग की अपर पुलिस अधीक्षक बांदा द्वारा सराहना की गई तथा इस अवसर पर आए सभी प्रशिक्षकों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया।